सैनिक स्कूल गोपालगंज

गृहकार्य

विषय-हिंदी कोर्स 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए :-

मांगलिक अवसरों पर पुष्प मालाओं का महत्व कोई नया नहीं है। पुष्प मालाएँ अर्पित करने के पीछे मनुष्य की ऐसी ही भावनाएँ थीं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है फूलों की मालाओं को धारण करना। जितना सम्मान,फूलों की माला पहनाकर,किसी अति विशिष्ट व्यक्ति को दिया जाता है,उसकी सार्थकता तभी है जब वह व्यक्ति अपने गले में धारण कर उसे स्वीकार करे। यदि वह विशिष्ट व्यक्ति उसे धारण नहीं करता है तो वह अप्रत्यक्ष रूप से स्वयं उस सम्मान का तिरष्कार करता है। इससे न सिर्फ पुष्प माला पहनानेवालों का बल्कि उन फूलों का भी अपमान होता है जो उसमे गुँथे जाते है। वर्तमान लोक-रीति में पुष्प मालाओं का ऐसा अपमान क्षितिज एवं सुसंस्कृति कहे जाने वाले वर्गों में देखा जा सकता है। इसे किसी भी शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि या विशिष्ट व्यक्ति को पुष्प मालाएँ पहनाई तो जाती हैं। लेकिन न जाने किस कुंठा या कुसंस्कार के कारण उसे गले से निकालकर सामने टेबल पर रख लेते हैं या स्वनामधन्य मंत्री अपने पी.ए. या सुरक्षाकर्मियों को सौंप देते हैं,जो जाते समय या तो छोड़ जाते हैं या रस्ते में फेंक जाते हैं। पुष्पों का,पह्नानेवालों का,और स्वयं खुद का वह इस प्रकार अपमान कर जाते हैं कि विशिष्ट कहे जाने वाले व्यक्ति में इतनी पात्रता नहीं है कि वे उस पुष्प माला को अपने गले में धारण कर सके।

क) 'पुष्प मालाओं' का अपमान कब होता है ?

ख) 'विशिष्ट' कहे जाने वाले व्यक्ति की पात्रता पर प्रश्न चिन्ह कब लग जाते है ?

ग) 'पुष्पमाला' का पहनाना कब सार्थक होता है ?

घ) 'किसी भी शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि या विशिष्ट व्यक्ति को पुष्प मालाएँ पहनाई जाती हैं।'- इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है ?

ङ) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है,और क्यों ?

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए:-

विपदाओं से मुझे बचाओ,यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो (करुणामय)
कभी न विपदा में पाऊँ भय।
दुःख ताप से व्यथित चित को न दो सान्त्वना नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुःख को मई कर सकूँ सदा जय।
कोई सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले
हानि उठानी पड़े जगत में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय॥
मेरा त्राणकरो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणामय)
तरने की हो शक्ति अनामय
मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।
केवल इतना रखना अनुनय---
वहां कर सकूँ इसको निर्भय
नत शिर होकर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।
दुःख-रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करुणामय,
तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।

(क) कवि ईश्वर से क्या अपेक्षा करता है ?

(ख) किन परिस्थितियों में भी कवि ईश्वर पर संशय नहीं करना चाहते हैं ?

(ग) सुख के दिन में भी कवि क्या करना चाहते हैं ?
(घ) कवि ईश्वर से कष्टों से बचाने की प्रार्थना क्यों नहीं करते ?
(ङ) कवि दुख में सांत्वना के स्थान पर क्या माँग रहे है ?

कृतिका : पाठ- 1 : माता का आँचल

1. निम्नलिखित प्रश्नों का सही उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए :-

i) माता के आँचल पाठ के लेखक है ?
क) शिवपूजन सहाय ख) रामवृक्ष बेनीपुरी ग) भगवती घ) महादेवी

ii) बचपन में लेखक के बाल कैसे थे ?
क) छोटे-छोटे ख) लम्बे-लम्बे ग) विल्कुल गंजे घ) सभी सही

iii) लेखक अपने पिताजी को कहता था-
क) पापा ख) दादा ग) बाबूजी घ) सभी गलत

iv) लेखक अपनी माँ को कहता था- I
क) माता ख) मैया ग) मम्मी घ) सभी सही

v) लेखक के पिता अपनी मूँछ-दाढ़ी कहाँ गड़ा देते थे ?
क) लेखक के हाथों में ख) सिर पर ग) गालों पर घ) सभी सही

vi) लेखक की माँ भात के साथ क्या सानकर खिलाती थी ?
क) दाल ख) कढ़ी ग) सब्जी घ) दही

vii) मैया के द्वारा सर पर तेल रखने पर लेखक करता था ?
क) मुस्कुराता था ख) हँसता था ग) सिसकता था घ) सभी सही

viii) बालक भोलानाथ खेल-खेल में बनता था ?
क) झोपड़ी ख) घरौंदा ग) महल घ) सभी गलत

ix) लेखक दुल्हे के आगे-आगे जानेवाली पालकी को देखकर चिल्लाते थे ?
क) काला की कनिया हमार धनिया ख) काला की कनिया हमार बहिनिया
ग) काला की कनिया हमार अजिया घ) काला की कनिया हमार मेहरी

x) बच्चों ने जिस तिवारीजी को चिढ़ाया, उनका नाम था-
क) मोहन ख) मूषक ग) मुशहर घ) मूसन

2. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

i) माता का आँचल में बच्चे की कैसी तस्वीर बनती है ?
ii) भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता था ?
iii) भोलानाथ और उसके साथियों के खेल-खिलौने आपके आज के खेल-खिलौने से किस प्रकार भिन्न है ?
iv) भोलानाथ के समय का ग्रामीण जीवन आज के ग्रामीण जीवन से किस प्रकार भिन्न है ?
v) पाठ में बाल स्वभाव की कौन सी जानकारी मिलती है ?
vi) बच्चे चिड़ियाँ, चूहों आदि निरीह प्राणियों के साथ क्रूरता क्यों करते हैं ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

i) माता का आँचल शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।
ii) पाठ में आए ऐसे प्रसंगों को लिखिए जो आपके दिल को छू गए हो ?
iii) पाठ के आधार पर लेखक के पिता की विशेषताएँ लिखिए।
iv) लेखक की माता लेखक को किस युक्ति से खाना खिलाती थी ?
v) इस पाठ से बाल स्वभाव की कौन-सी जानकारी मिलती है ?

4. बूढ़े वर पर की गई टिप्पणियों के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहते है ?

क्षितिज : पाठ-11 : बालगोबिन भगत

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

i) खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधू कहलाते थे ?

ii) भगत के व्यक्तित्व और उनके वेशभूषा का अपने शब्दों में वर्णन करो।

iii) भगत को उनकी पुत्रवधू अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी ?

iv) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों को क्यों अचरज में □लती थी ?

v) पाठ के □धार पर सिद्ध करो कि बालगोबिन भगत मधुर गाते थे ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

i) पाठ के □धार पर बताये कि भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है ?

ii) गाँव का सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश □षाढ़ चढ़ते ही उल्लास से भर जाता है, क्यों ?

iii) □प किन-किन □द्फ्हारों पर यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई व्यक्ति साधू है ?

iv) “मोह और प्रेम में अंतर होता है।”भगत के जीवन के किस घटना के □धार पर इस कथन को सच सिद्ध किया जा सकता है ?

v) पाठ के □धार पर सिद्ध करो कि बालगोबिन भगत की मृत्यु गौरवशाली थी ?

<u>व्याकरण : वाच्य</u>

1) वाच्य की परिभाषा सोदहरण लिखिए।

2) वाच्य के भेदों को सोदाहरण परिभाषित कीजिए।

3) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिये :-

क) बालक से पत्र लिखा जाता है। (कर्ता वाच्य)

ख) अमित से दौड़ा नहीं जाता।(कर्ता वाच्य)

ग) मुझसे पत्र नहीं लिखा गया।(कर्ता वाच्य)

घ) वह दिन में फल खता है। (कर्म वाच्य)

□) नानी कहानी सुनाएगी। (कर्म वाच्य)

च) तुम अखबार पढ़ते हो।(कर्म वाच्य)

छ) गर्मियों में लोग खूब नहाते हैं।(भाव वाच्य)

ज) लड़की रात भर सो न सकी।(भाव वाच्य)

4. निम्नलिखित विषय पर 250 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :-

क) शिक्षा का निजीकरण

संकेत बिंदु- भूमिका, शिक्षा का निजीकरण से दुष्प्रभाव, निजीकरण के सकारात्मक प्रभाव,उपसंहार

ख) साहित्य का महत्व

संकेत-बिंदु- भूमिका, साहित्य का सामर्थ्य, देश की वास्तविक स्थिति का सजीव चित्रण, साहित्यकारों का योगदान, उपसंहार।

ग) विज्ञापन की दुनिया

संकेत-बिंदु- भूमिका, विज्ञापन के उद्देश्य, विज्ञापन के लाभ, जन सेवा में सहायक, विज्ञापन से हानि,उपसंहार।

5. टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले पैसा प्रधान कार्यक्रमों के माध्यम से युवा वर्ग में बढ़ती अनावश्यक धन लालसा का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए

6. एक कोंस्मैटिक वस्तु बनानेवाली कंपनी की ओर से 50 शब्दों में उत्पाद के प्रचार हेतु विज्ञापन लिखिए ।

7. ‘नीर’ नामक पानी बेचनेवाली कंपनी के प्रचार हेतु 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

8. मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि कोरोना से बचने के क्या-क्या उपाय हो सकते है ?

(समाप्त)